>

Title: Regarding pitiable condition of family of Arjuna Award winner Makhan Singh.

-

MADAM SPEAKER: Now, we will take up 'Zero Hour'. Shrimati Sushma Swaraj.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, मैं आपकी अनुमति से एक बहुत ही कष्टदायक विषय इस सदन में उठाना चाह रही हूं। मेरे जीवन में पिछले दो दिनों में एक बड़ा ही अजीब संयोग बना। परसों शाम को मैंने एक फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' देखी। फिल्म बहुत ही प्रभावकारी बनी है और फिल्म को देखने के बाद मुझे यह लगा कि खेल की इस ऊंचाई तक पहुंचने के लिए कितने परिश्रम और कितनी साधना करनी पड़ती है। मेरा मन उत्साह से भरा हुआ था। मैंने ट्विटर पर लिखा कि यह फिल्म हमारी युवा पीढ़ी को बहुत ही प्रेरणा प्रदान करेगी। लेकिन 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि कल शाम को एक टी.वी.चैनल पर मुझे एक दूसरा दृश्य देखने को मिला। ज़ी न्यूज़ चैनल ने कल दिखाया कि सरदार मक्खन सिंह जी जो अर्जुन पुरस्कार विजेता रहे हैं और केवल अर्जुन अवार्ड ही नहीं, बल्कि देश के सबसे तेज धावक फ्लाइंग सिख के नाम से जाने जाने वाले मिल्खा सिंह को जिन्होंने हराने का काम किया था, उनकी विधवा कल टी.वी.पर रोते हुए पंजाबी मे कह रहीं थीं, "मेरे कोल रोटी नहीं है। मेरे पास रोटी नहीं है।" वह मेडलों का ढ़ेर लगा कर बैठीं थीं कि मैं इन्हें नीलाम करना चाहती हूं। कोई खरीदार आए और इनको मुझसे खरीदकर ले जाए। उसके बाद उन्होंने जो एक वाक्य कहा कि सरदार जी हमेशा कहते थे "खिलाड़ी मत बनना। उन्होंने अपने बच्चों को कहा था कि खेल ने मुझे क्या दे दिया जो तुम्हें मिलेगा और उन्होंने कहा कि इसलिए उनके बेटे, पोते कोई खेल में नहीं गये।"

अध्यक्ष जी, मेरा सारा उत्साह मर गया। मेरा मन बुझ गया और उसी समय मैंने तय किया कि मैं आपकी अनुमति से इस विषय को सदन में उठाऊंगी। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहती हूं कि सरकार का खेल मंत्रालय तुंत इस परिवार से सम्पर्क साधे और किस तरह सम्मान से वह परिवार गुजर- बसर कर सकता है, इसके बारे में प्रबन्ध करे। लेकिन मैं इस प्रसंग से एक सूत्र पकड़ना चाहती हूं। यह एक अकेले मक्खन सिंह जी की कहानी नहीं है। हर रोज मीडिया खोज-खोजकर कभी प्रिंट में, कभी इलैक्ट्रॉनिक में ऐसे लोगों की दुर्दशा की कहानियां बताता रहता है।...(व्यवधान) चंड़ीगढ़ में भी।...(व्यवधान) मैं पूरे देश की बात कह रही हूं। आर्चरी खेल की लड़की जो झारखंड में थी, उसके बारे में मीडिया में आया। हर रोज आता है। मैं कहना चाहती हूं कि खेल मंत्रालय एक नीति बनाए ताकि जितने पुरस्कार विजेता हैं, उन्हें श्रेणीबद्ध किया जाए कि किस पुरस्कार को प्राप्त किए हुए खिलाड़ी को कितनी पेंशन देनी है, उनके बाद उनके परिवार को कितनी पेंशन देनी है, उनके घर में क्या रोजगार देना है। इतना बड़ा देश है और इतना बड़ा देश अगर अपने देश के इन राष्ट्र नायकों को संभाल नहीं सकता है तो हम पर लानत है। हमें शर्म आनी चाहिए। ये हमारे नायक हैं। ये हमारी युवा पीढ़ी की प्रेरणा है। इनका जीवन हमारे लिए प्रेरणा होना चाहिए। लेकिन अगर इस तरह की घटनाएं, इस तरह की कहानियां उभरकर आएंगी तो केवल मन ही दुखी नहीं होगा बल्कि आगे कोई खेल जगत में जाने से भी रुक जाएगा।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहती हूं कि आप सरकार को निर्देशित करें कि इस परिवार से तुंत संपर्क किया ही जाए। हमारे यहां अलग-अलग पुरस्कार दिए जाते हैं इसलिए एक नीति खेल मंत्रालय द्वारा बननी चाहिए जिसमें चाहे अर्जुन पुरस्कार या खेल रत्न विजेता हो, हर पुरस्कार को श्रेणीबद्ध करके सरकार उनके परिवारों को संभालने का काम करे। यह दलगत राजनीति का प्रश्न नहीं है इसलिए मैं चाहूंगी कि पूरा सदन मेरी इस अपील के साथ अपने आपको जोड़कर सरकार से अनुरोध करे।

अध्यक्ष महोदया : श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा उठाए गए मुद्दे के साथ

श्री एम.बी. राजेश,

श्री पी.के. बीजू,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री वीरेन्द्र कश्यप,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री प्रहलाद जोशी,

श्री अर्जुन मेघवाल,

श्री बालकृष्ण खांडेराव शुक्ल,

श्री शिवराम गौंडा,

श्री धनजंय सिंह,

श्री अनुराग सिंह ठाकुर,

श्री निशिकांत दुबे,

श्री पी.एल. पुनिया,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री सोहन पोटाई,

श्री महेन्द्र सिंह पी. चौहान को संबद्ध किया जाए।

(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद पूर्व): माननीय अध्यक्ष महोदय, सुषमा जी की बात का आपने भी और सदन ने सम्मान किया है, यह बहुत प्रेरणादायक बात है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि विपक्ष के नेता ने जो बात सदन के सामने रखी है, पूरा सदन इस बात से सहमत है और आपकी तरफ से भी तालियां बजी हैं इसलिए इस बारे में सरकार की तरफ से प्रतिक्रिया आनी चाहिए कि सरकार क्या चाहती है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि खेल मंत्री या संसदीय कार्य मंत्री इस बारे में कुछ बताएं।

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI KAMAL NATH): Madam, of course, the Government is going to take steps in this to formulate a policy. But as Shrimati Sushmaji was speaking, the Petroleum Minister informed me that his Federation of Sports of the Petroleum Companies will immediately extend relief to Shri Makhan Singhji's family. The Government will formulate a policy so that not only the problems of those who are in distress will be resolved but also it gives an inspiration to youth to be able to come into the world of sports.